भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1764

13.02.2023 को उत्तर के लिए

स्वदेशी वायु अद्‌वितीय-गुणवत्ता निगरानी फोटोनिक प्रणाली

1764. श्री गौरव गोगोई :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विज्ञान और प्रौद्‌योगिकी विभाग की स्वच्छ वायु अनुसंधान पहल के सहयोग से, वायु गुणवत्ता की वास्तविक समय पर दूरस्थ निगरानी के लिए विकसित स्वदेशी वायु अद्‌वितीय-गुणवत्ता निगरानी (एयूएम) फोटोनिक प्रणाली के उपयोग को बढ़ाने के लिए सरकार द्‌वारा प्रस्तावित योजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ख) पूरे देश में बढ़ते वायु-प्रदूषण की पृष्ठभूमि में सरकार इस वर्ष के अंत तक उपर्युक्त प्रौद्‌योगिकी पर कितनी धनराशि व्यय करने की योजना बना रही है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क) और (ख): विज्ञान और प्रौद्‌योगिकी विभाग से प्राप्त सूचना के अनुसार, विज्ञान और प्रौद्‌योगिकी विभाग (डीएसटी) ने वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान 30 माह की अवधि के लिए 69,80,504/- रूपए की कुल लागत के साथ ''स्वदेशी वायु अद्‌वितीय-गुणवत्ता निगरानी फोटोनिक प्रणाली'' नामक परियोजना के लिए सहयोग किया है और यह परियोजना दिनांक 10 जनवरी, 2022 को पूरी हो चुकी है।

*****